Sir, I have a suggestion to make. Renowned water expert, Shri T. Hanumantharao's 'Four Waters' concept was implemented in some villages of the combined State of Andhra Pradesh in 2001-02. One village, namely, Gottigari Palli in Zaheerabad District implemented it at a cost of Rs. 5000 per acre. It has been consistently providing not only safe drinking water to all the nearby villages, but also water to irrigate three crops in a year, even to this day after 23 years.The concept was totally ignored by the successive Congress and TRS Governments in Telangana since 2004, mooted by major projects consisting Rs. 7 to 8 lakh per acre just to help some contractors. However, the BJP Government in Rajasthan implemented watershed programme based on Hanumantha Rao concept under the *Mukhyamantri Jal Swavlamban Yojana* in 33 districts, covering lakhs of acres and providing safe drinking water which has transformed the '*maru bhoomi*' Rajasthan. Sir, through you, I appeal to the Government to focus on measures such as Four Waters concept and rainwater harvesting by sustainable water use practices, enhance water quality monitoring systems which are crucial and nationwide campaigns focussing on water conservation. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Dr. K. Laxman: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Ghanshyam Tiwari (Rajasthan), Shri Neeraj Shekhar (Uttar Pradesh), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Dr. Dinesh Sharma (Uttar Pradesh), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Dr. John Brittas (Kerala), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Dr. Fauzia Khan (Maharashtra).

श्री उपसभापतिः धन्यवाद, माननीय डा. के. लक्ष्मण। माननीया श्रीमती दर्शना सिंह।

Need to promote medical tourism in India

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं। महोदय, मैं आपके माध्यम से चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने से संबंधित विषय पर अपनी बात रखना चाहती हूं। आज मेडिकल टूरिज्म दुनिया भर में तेजी से बढ़ता हुआ एक प्रमुख उद्योग बन गया है। हाल के वर्षों में माननीय प्रधान मंत्री जी के प्रयास से भारत चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रमुख देश के रूप में

उभरा है, जहां दूसरे देशों से आने वाले मरीजों को सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं मिलती हैं।

महोदय, आज भारत में आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी में इलाज के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। यह क्षेत्र न केवल यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को बढ़ावा देता है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करता है और बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारत में चिकित्सा पर्यटन का बाजार विशाल है। आज भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और उन्नत उपचार पश्चिमी देशों की तुलना में किफायती दरों पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से भारत दूसरे देशों से आने वाले मरीजों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहती हूं कि मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी करके दूसरे देशों से आने वाले मरीजों के लिए बीमा कवरेज और कैशलेस चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया जाए। इसके साथ ही, दूसरे देशों से आने वाले मरीजों की भाषा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए विभिन्न भाषाओं में सेवाएं देने वाले कस्टमर केयर को सुदृढ़ करने वाले सिस्टम को विकसित किया जाए, ताकि दूसरे देशों से आने वाले मरीजों को अधिकतम सुविधाएं मिल सकें और भारत एक बड़े चिकित्सा पर्यटन के रूप में स्थापित हो सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Darshana Singh: Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Parmar Jashvantsinh Salamsinh (Gujarat), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shri Dorjee Tshering Lepcha (Sikkim), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Haris Beeran (Kerala) and Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra).

श्री उपसभापतिः धन्यवाद, माननीया श्रीमती दर्शना सिंह जी। माननीय श्री निरंजन बिशी जी।

Demand for comprehensive development of Harishankar Temple in the Gandhamardan Hills of Odisha

श्री निरंजन बिशी (ओडिशा): जय हरिशंकर, जय जगन्नाथ! माननीय उपसभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। महोदय, हमारे भारत देश में 43 यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स हैं। उसके